आईसीएआर-सीफेट ने आईफा-2024 में कृषि प्रसंस्करण और टेक्सटाइल प्रौद्योगिकी पर उद्योग इंटरफेस बैठकें और कार्यशाला आयोजित की

4 अक्टूबर, 2024, लुधियाना: आईसीएआर-सीफेट द्वारा 3 से 5 अक्टूबर, 2024 तक आयोजित कृषि प्रसंस्करण और खाद्य प्रसंस्करण (आईफा--2024) पर उद्योग इंटरफेस मेले के दूसरे दिन, दो महत्वपूर्ण उद्योग इंटरफेस बैठकें और एक कार्यशाला आयोजित की गई। पहला सत्र "एफ सी आई -चावल मिलिंग उद्योग-चावल मिलिंग में नवाचारों के लिए अनुसंधान संस्थान तालमेल" पर केंद्रित था, जिसकी अध्यक्षता श्री मृत्युंजय कुमार, ऐ जी ऍम, क्यू सी,एफ सी आई, भटिंडा ने की और सह-अध्यक्षता श्री एम.एल. मीना, ऐ जी ऍम, एफ सी आई लुधियाना और चावल मिलर्स एसोसिएशन के श्री अश्विनी बंसल ने की। सत्र में चावल मिलिंग उद्योग के सामने आने वाली व्यावहारिक चुनौतियों पर चर्चा की गई और आगे के शोध के क्षेत्रों पर प्रकाश डाला गया, जिसमें धान की गुणवत्ता मापदंडों का त्वरित मूल्यांकन और चावल की आयु का आकलन करने के गैर-विनाशकारी तरीकों का विकास शामिल है। इसके अलावा, चावल उद्योग में उपोत्पादों के उपयोग के अवसरों पर भी गहन चर्चा की गई।

"कपड़ा उद्योग के लिए आईसीएआर प्रौद्योगिकी - कपास और अन्य प्राकृतिक फाइबर" पर केंद्रित दूसरे सत्र की अध्यक्षता वर्धमान समूह में कच्चे माल के निदेशक श्री सुनील कुमार खंब ने की और सह-अध्यक्षता वर्धमान समूह में परियोजनाओं, रसद और सीएसआर के एवीपी श्री अमित जैन ने की। चर्चा में कपास, जूट, भांग और अन्य प्राकृतिक फाइबर प्रसंस्करण में प्रगति और कपड़ा क्षेत्र में व्यावसायिक प्रशिक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया गया। उद्योग जगत के नेताओं ने उत्पादकता और नवाचार को बढ़ाने के लिए अनुसंधान संस्थानों और कपड़ा उद्योग के बीच अधिक सहयोग को प्रोत्साहित किया।

कृषि-स्थायित्व के उत्प्रेरक के रूप में किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) पर ध्यान केंद्रित करते हुए, कटाई के बाद के प्रबंधन को मजबूत करने पर एक कार्यशाला भी आयोजित की गई।

पंजाब राज्य खाद्य आयोग के अध्यक्ष श्री बाल मुकुंद शर्मा ने स्थानीय पंजाबी खाद्य पदार्थों को अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में बढ़ावा देने की क्षमता पर जोर दिया। उन्होंने किसानों, उद्यमियों और एफपीओ सदस्यों के लिए कृषि एकत्रीकरण, प्रसंस्करण, भंडारण और विपणन को अनुकूलित करने में नए युग की प्रौद्योगिकियों के महत्व पर भी जोर दिया।

इस कार्यक्रम में आईसीएआर, नई दिल्ली के एडीजी (पीई) डॉ. के. नरसिया, डॉ. नवाब अली पूर्व डीडीजी (कृषि इंजीनियरिंग) और एसडीएयू, गुजरात के पूर्व कुलपति डॉ. आरसी माहेश्वरी जैसे प्रतिष्ठित लोगों ने भाग लिया। आईसीएआर-सीफेट के निदेशक डॉ. नचिकेत कोतवालवाले ने कृषि प्रसंस्करण में नवाचार और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए पंजाब स्थित उद्योग और आईसीएआर संस्थानों के बीच निरंतर सहयोग का आश्वासन दिया।

CIPHET IIFA-2024
AXIS BANK
ICAR-CIPHET
03-05 OCTOBER, 2024